सबसे खराब खरगोश

मर्लिन सैडलर

चित्र: रोजर बोलन

पी. जे. फ़नीबनी कोई भी बुरा काम नहीं करना चाहता था.

लेकिन कभी-कभी वह खुद को रोक नहीं पाता था.

एक दिन उससे रसोई के फ़र्श पर शहद फैल गया.

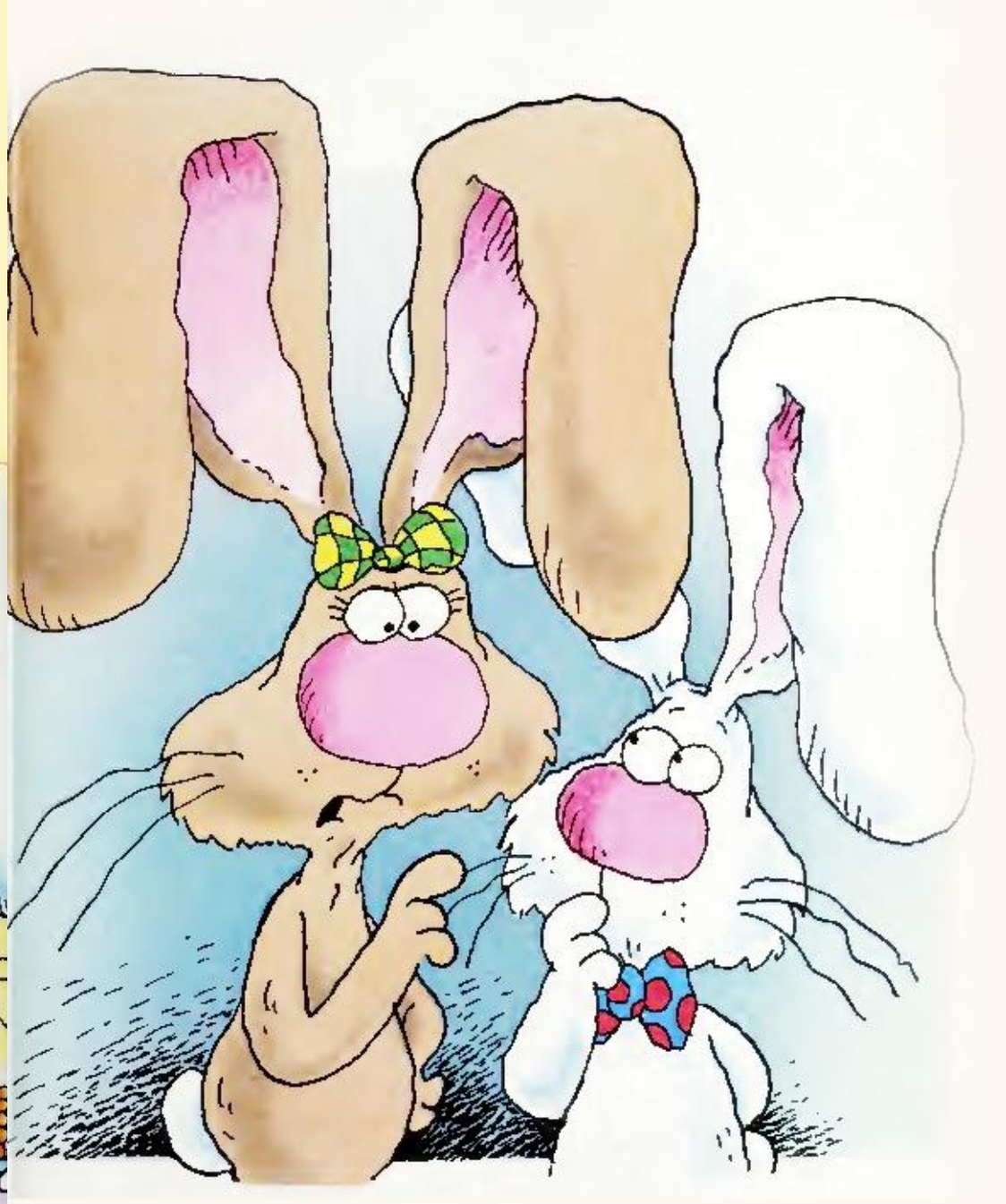

उसकी बहन ने उसे एक बुरा खरगोश बुलाया.

पी. जे. ने अपनी गलती मान ली.

उसका शहद गिराने का कोई इरादा नहीं था.

पी. जे. का अपने भाई के यो-यो को
उलझाने का भी कोई इरादा नहीं था....

या अपने पिता के अख़बार पढ़ने से पहले
उसे काटने का भी कोई इरादा नहीं था....

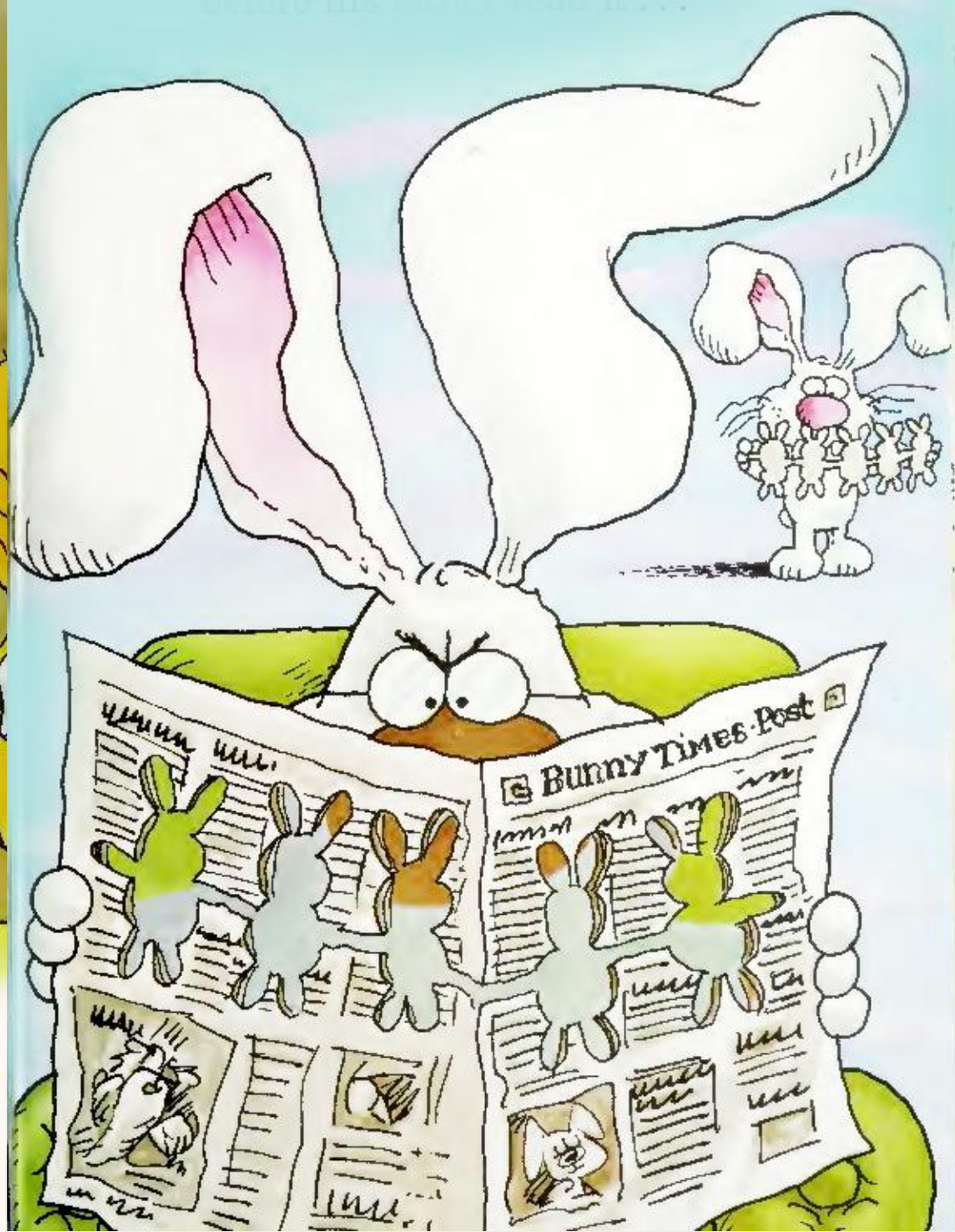

या माँ से पूछे बिना अपने दोस्तों
को लंच पर आमंत्रित करने का.

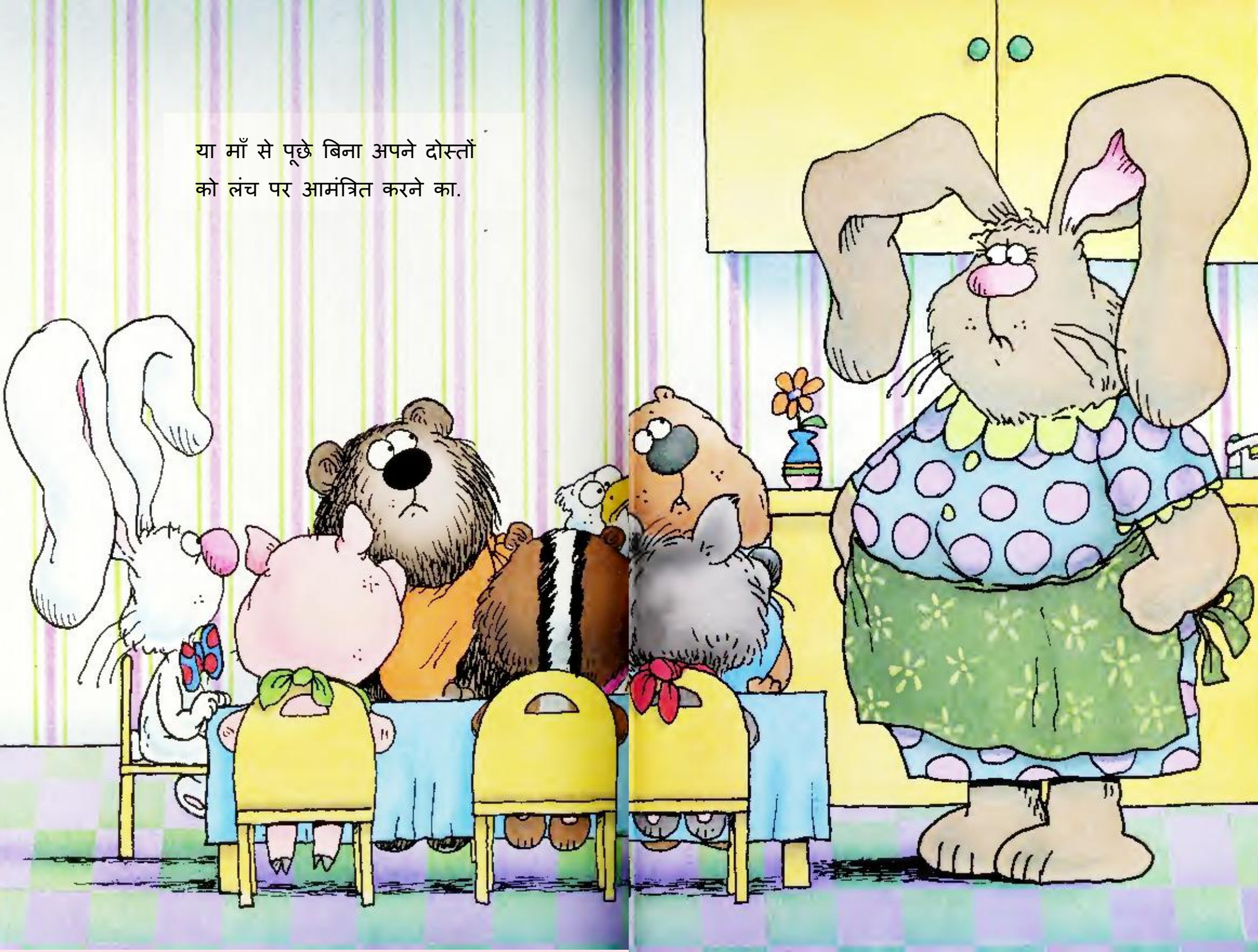

"मैं माफ़ी चाहता हूं," पी. जे. ने कहा

लेकिन पी. जे. की माँ ने गुस्से में आकर
उसे उसके कमरे में भेज दिया.

इससे पी. जे. को इतना गुस्सा आया

कि उसने अपना तकिया खिड़की से बाहर फेंक दिया.

इस बार बुरा बनने का पी. जे. का इरादा साफ़ ज़ाहिर था!

फनीबन्नी इस पर यकीन नहीं कर पाए.

उन्होंने इतना बुरा खरगोश पहले कभी नहीं देखा था.

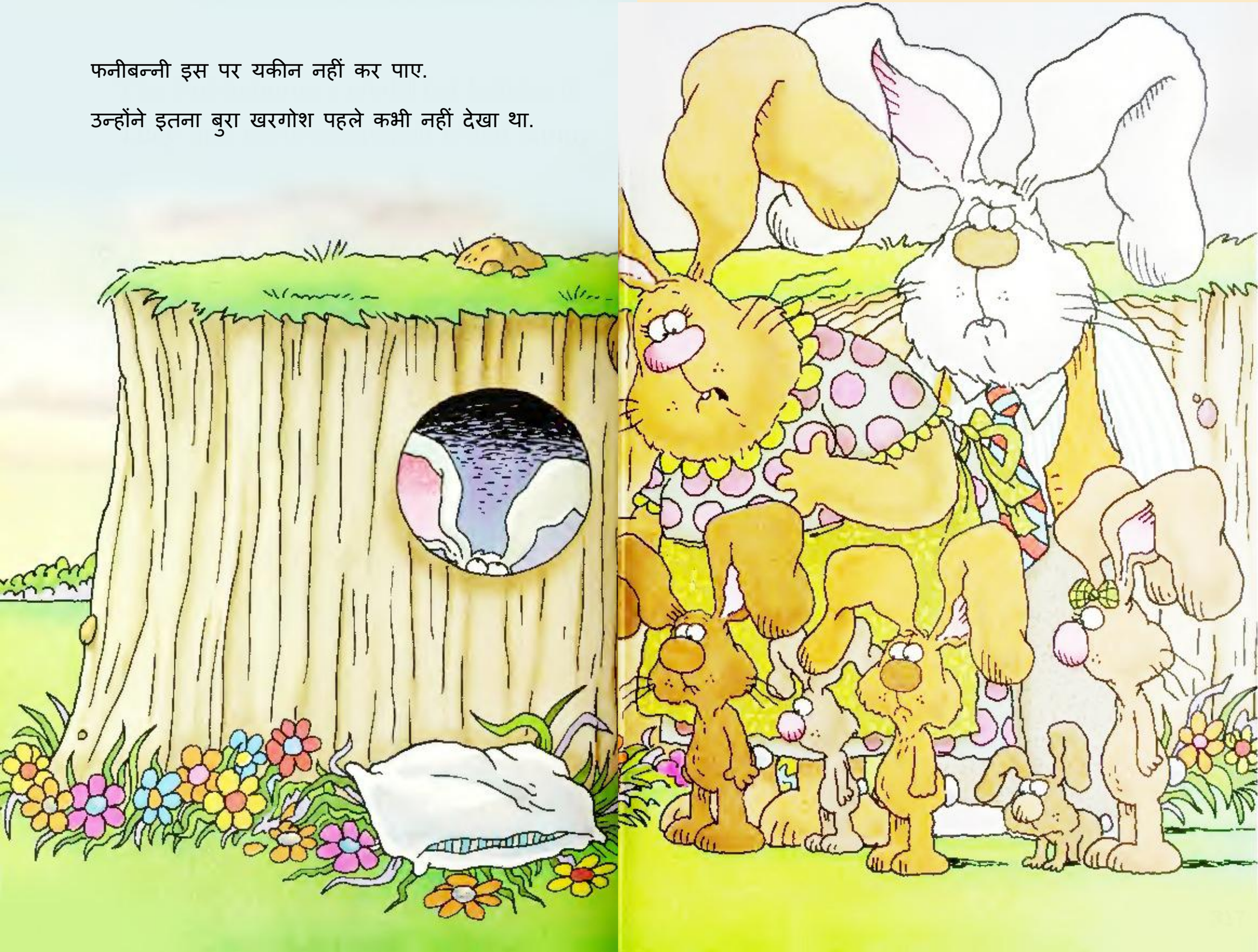

फिर एक दिन पी. जे. का छोटा चचेरा
भाई बिंकी उनके घर रहने आया.

"अब, अच्छे खरगोश बनो
और बाहर जाकर खेलो,"

पी. जे. की माँ ने उन दोनों से कहा.

फिर पी. जे. और बिंकी खेलने के लिए बाहर भागे.

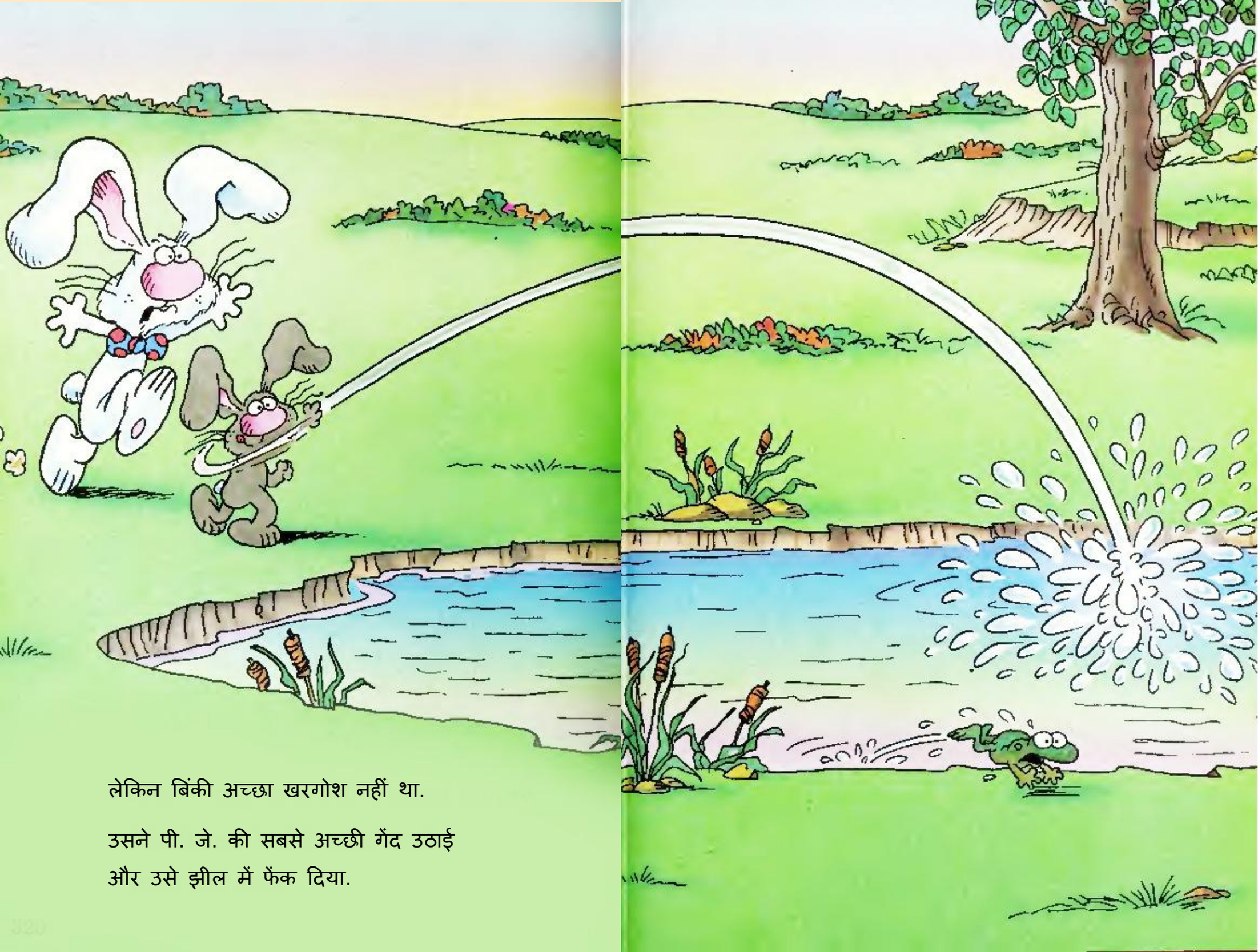

लेकिन बिंकी अच्छा खरगोश नहीं था.

उसने पी. जे. की सबसे अच्छी गेंद उठाई
और उसे झील में फेंक दिया.

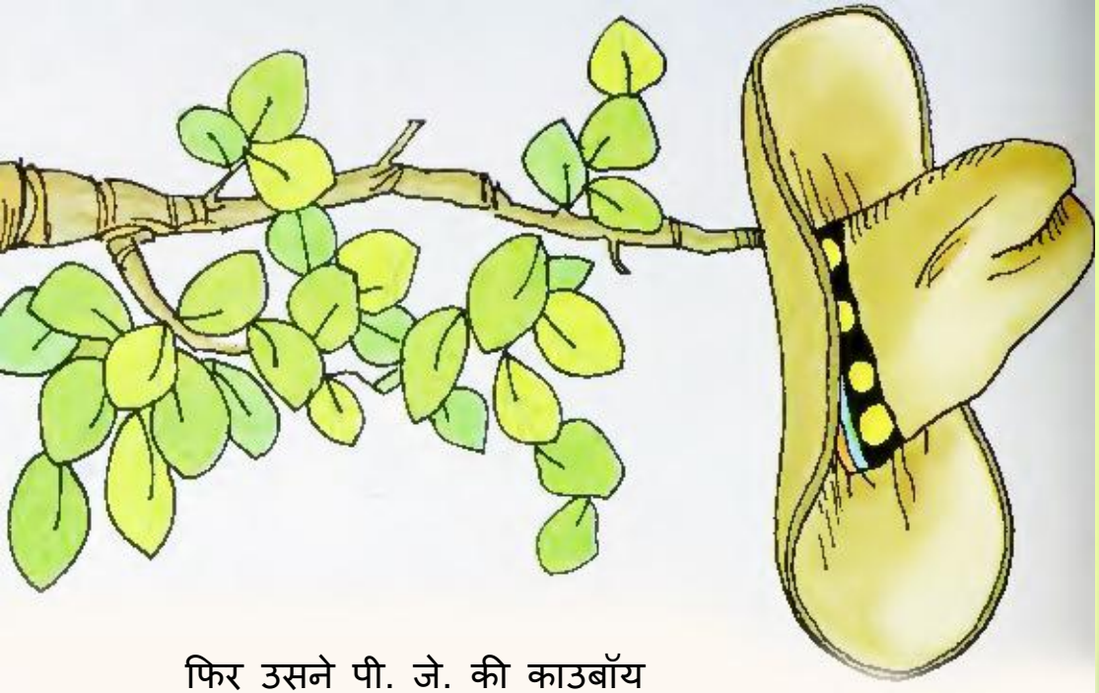

फिर उसने पी. जे. की काउबॉय
टोपी को एक पेड़ पर फेंक दिया ...

बिंकी ने पी. जे. का बेसबॉल बैट तोड़ डाला.

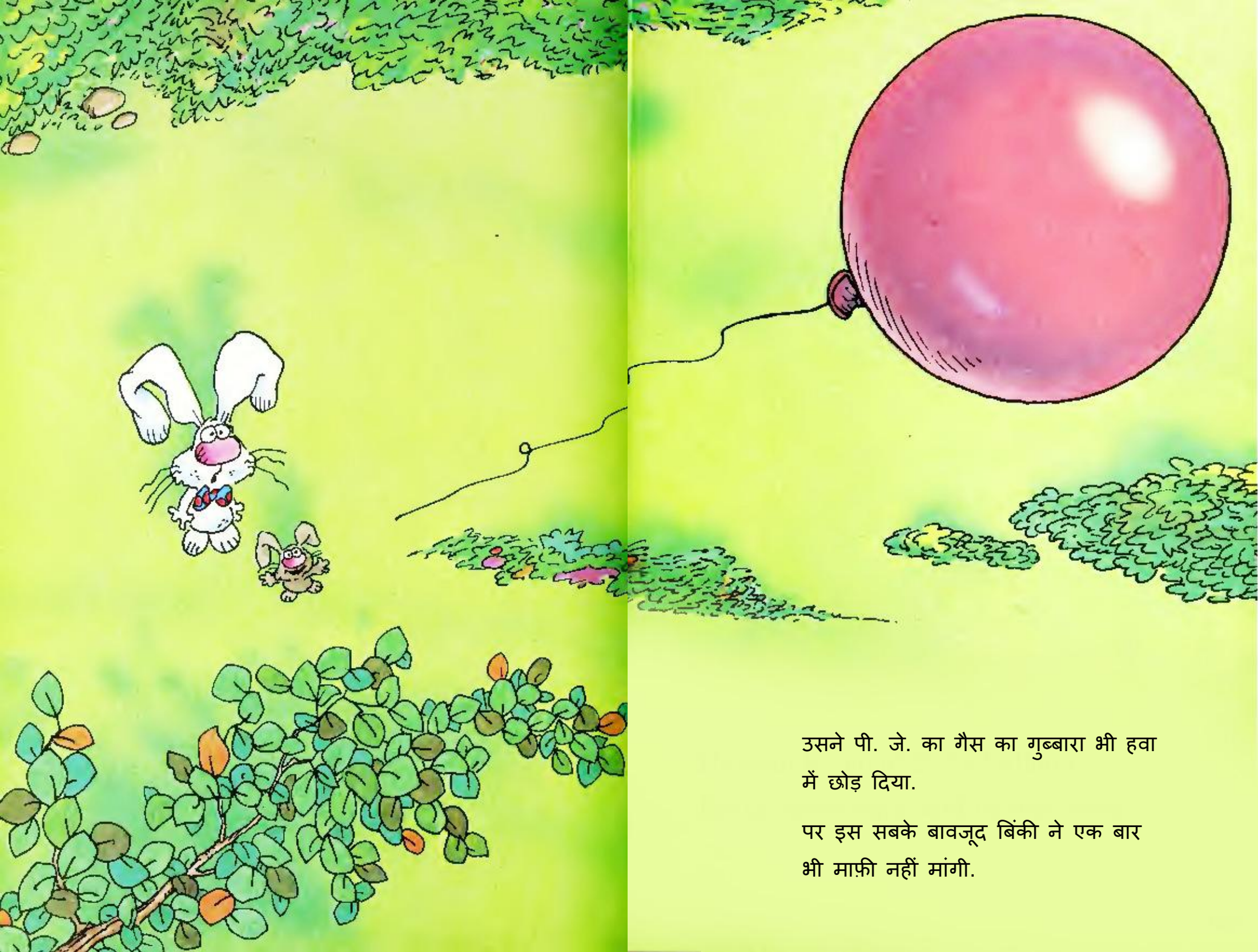

उसने पी. जे. का गैस का गुब्बारा भी हवा में छोड़ दिया.

पर इस सबके बावजूद बिंकी ने एक बार भी माफ़ी नहीं मांगी.

"अच्छे और नेक बनो, बिंकी!" पी. जे. ने उसे समझाया.

"नहीं तो मैं तुम्हारे साथ खेलना बंद कर दूंगा."

लेकिन बिंकी ने पी. जे. की बात बिल्कुल नहीं सुनी.

उसने बिना पूछे पी. जे. के क्रेयॉन इस्तेमाल किए...

और उन्हें धूप में छोड़ दिया जिससे वे पिघल गए.

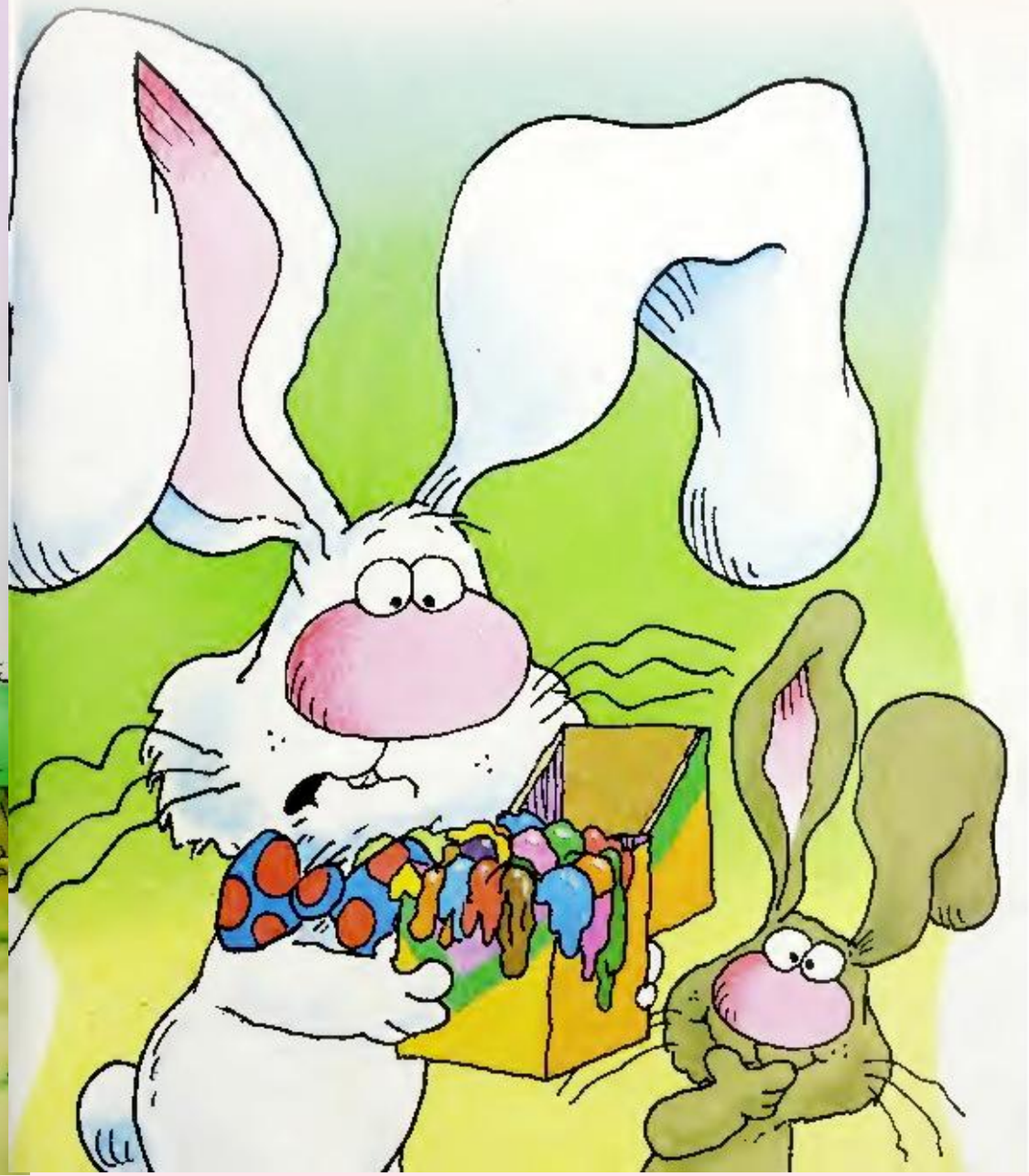

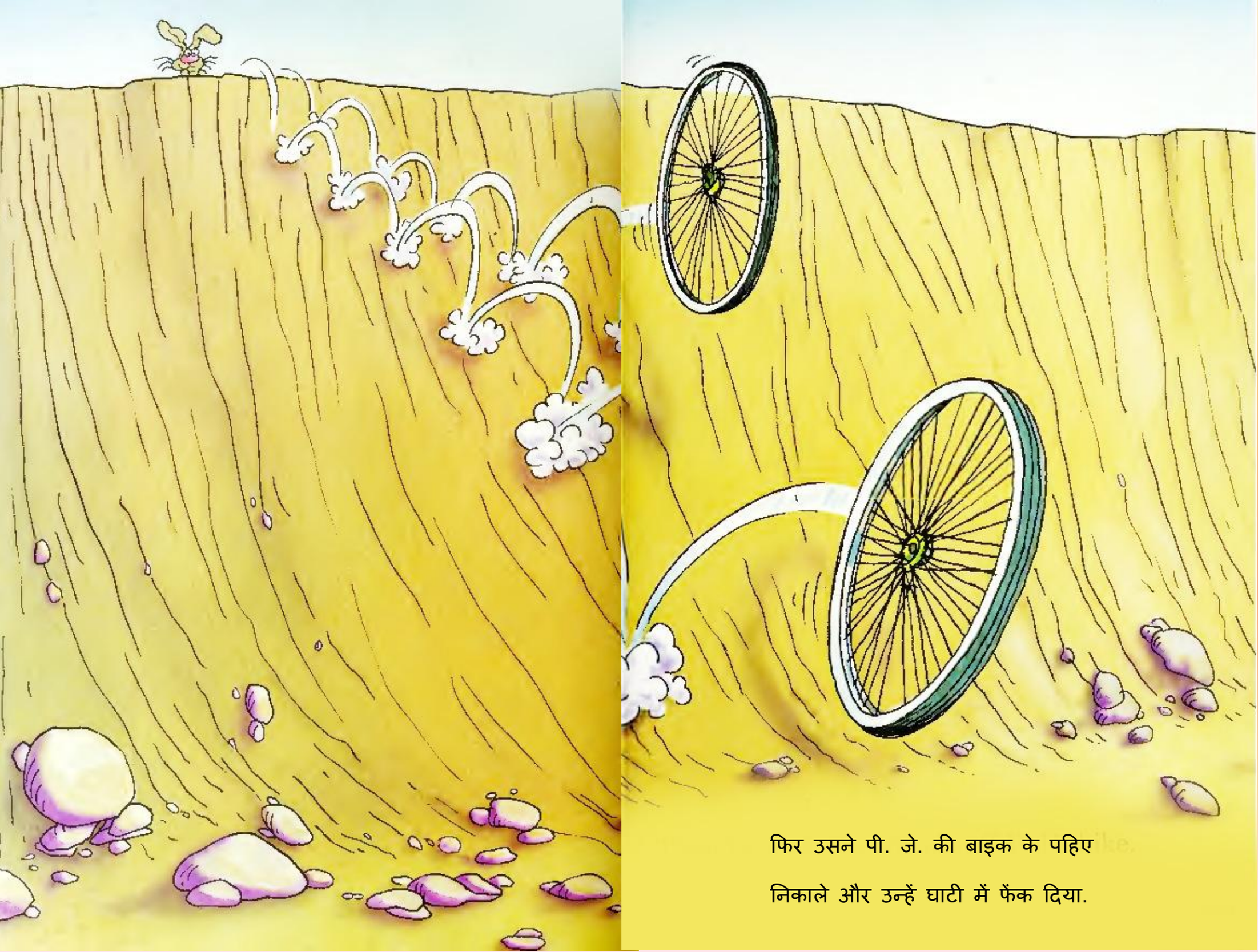

फिर उसने पी. जे. की बाइक के पहिए

निकाले और उन्हें घाटी में फेंक दिया.

"देखो, अब बहुत हो गया!" पी. जे. ने कहा

“चलो, अब तुम मेरे साथ घर वापिस चलो!"

लेकिन बिंकी ने घर पर भी उतना ही बुरा व्यवहार किया.

पहले उसने पी. जे. की कैरम की सभी गोटियों को एक साथ चिपका दिया.

फिर उसने मर्तबान में से निकालकर
आखिरी कुकी भी खा डाली.

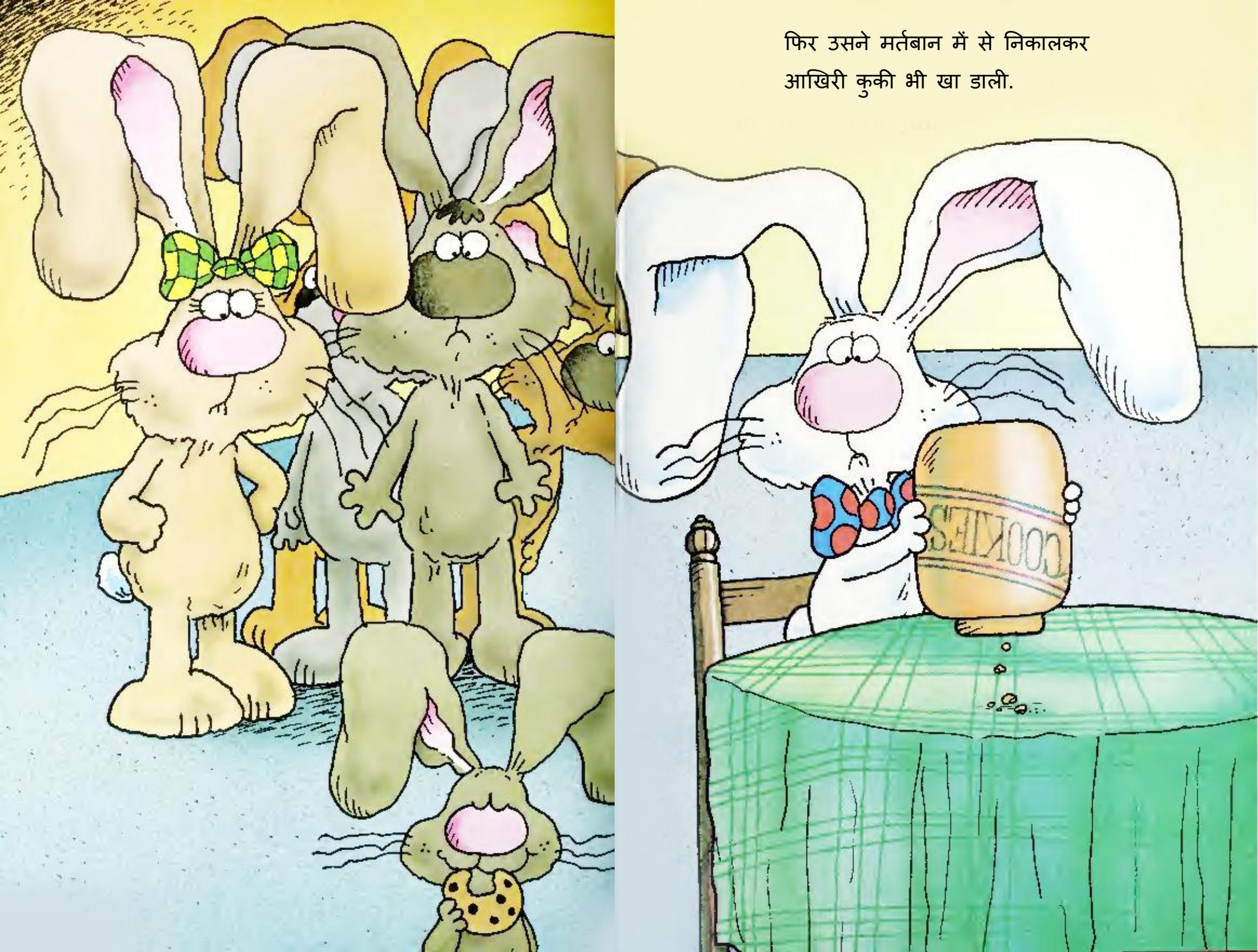

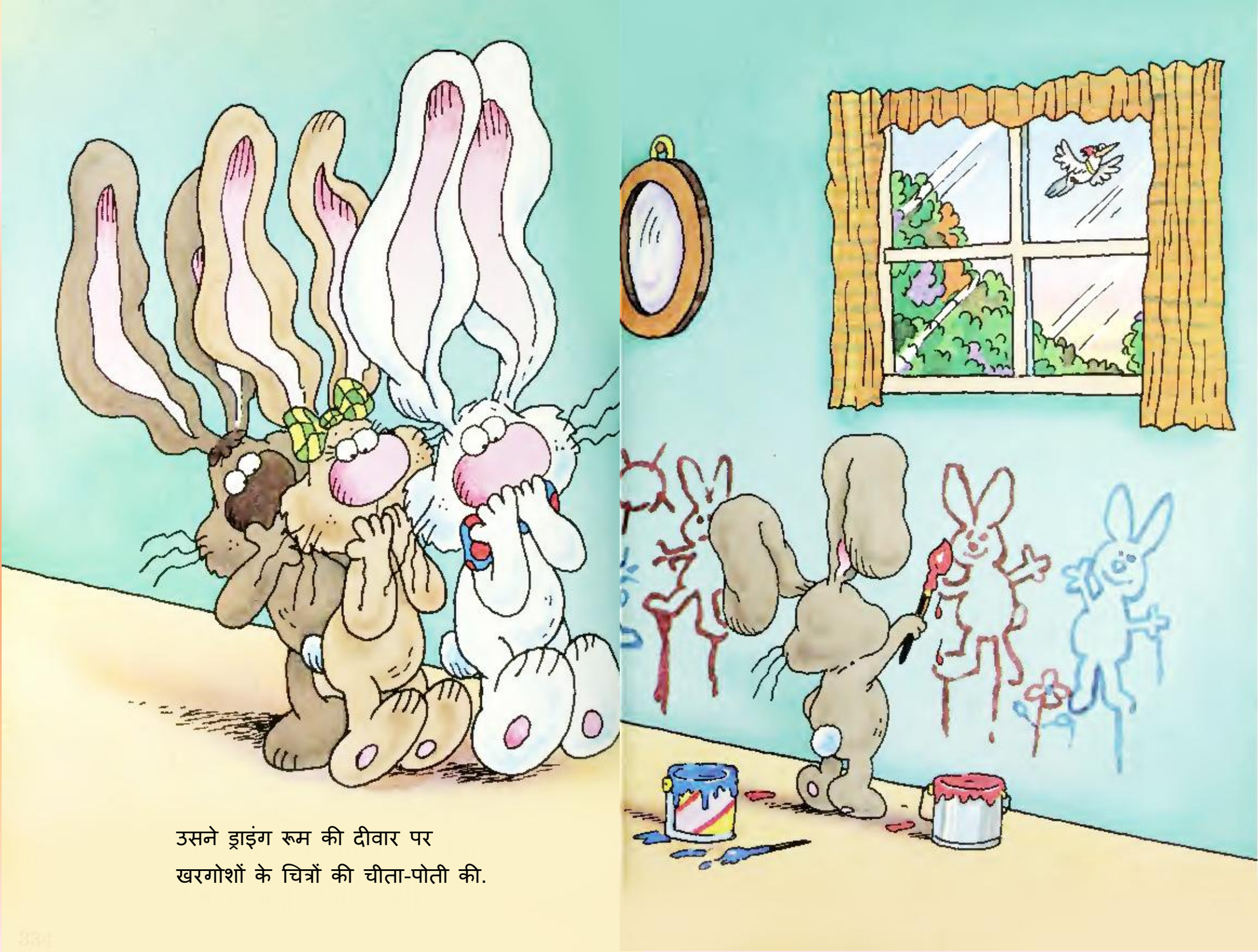

उसने ड्राइंग रूम की दीवार पर
खरगोशों के चित्रों की चीता-पोती की.

उसने अपनी बबल-गम सोफे पर चिपकाई.

फिर उसने सभी को घर से बाहर निकालकर
खुद को घर में बंद कर लिया.

सारे फनीबन्नी इस पर यकीन नहीं हुआ.

उन्होंने इससे पहले इतना बुरा खरगोश कभी नहीं देखा था.

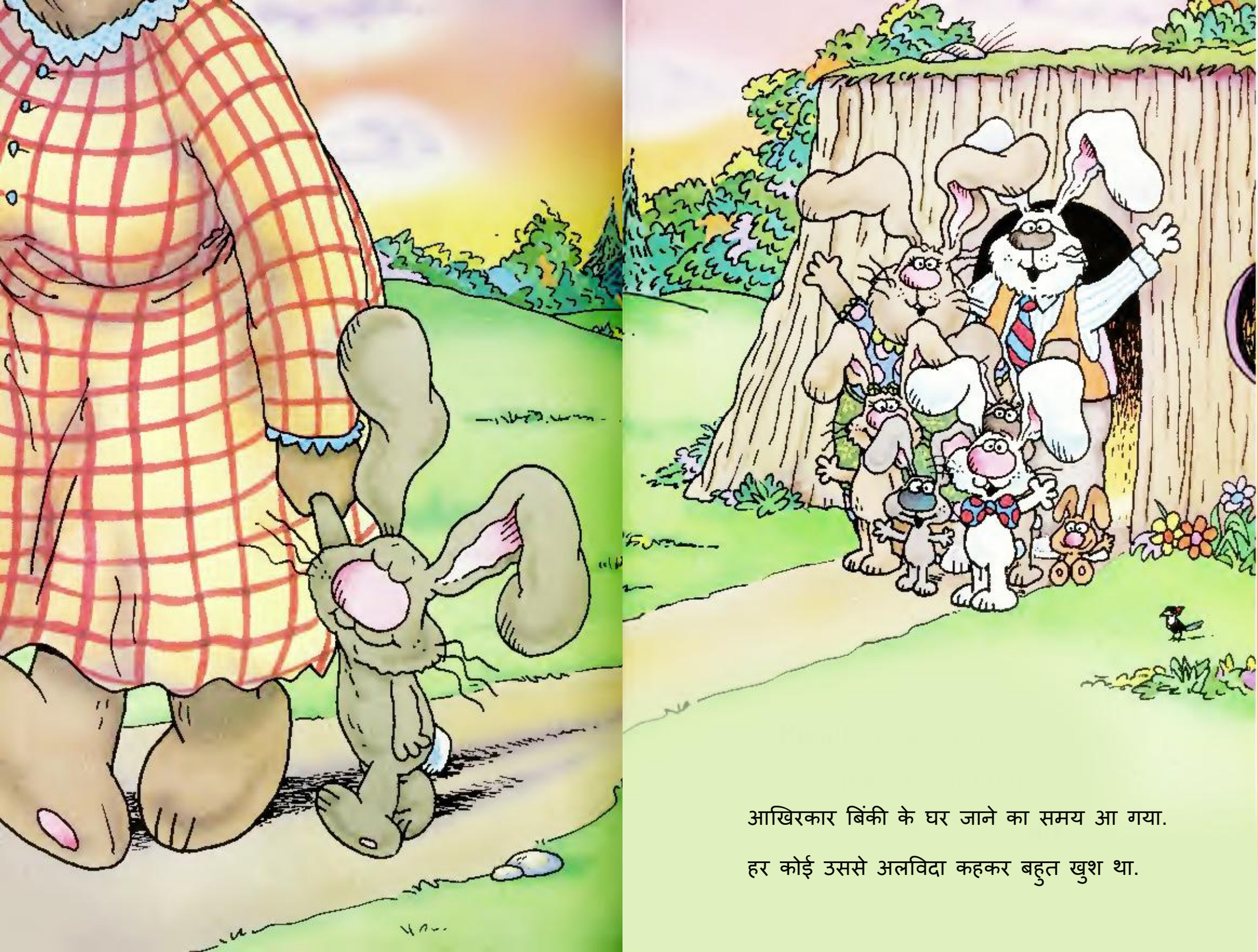

आखिरकार बिंकी के घर जाने का समय आ गया.

हर कोई उससे अलविदा कहकर बहुत खुश था.

"देखो, बिंकी एक बहुत बुरा खरगोश था!"

पी. जे. ने कहा

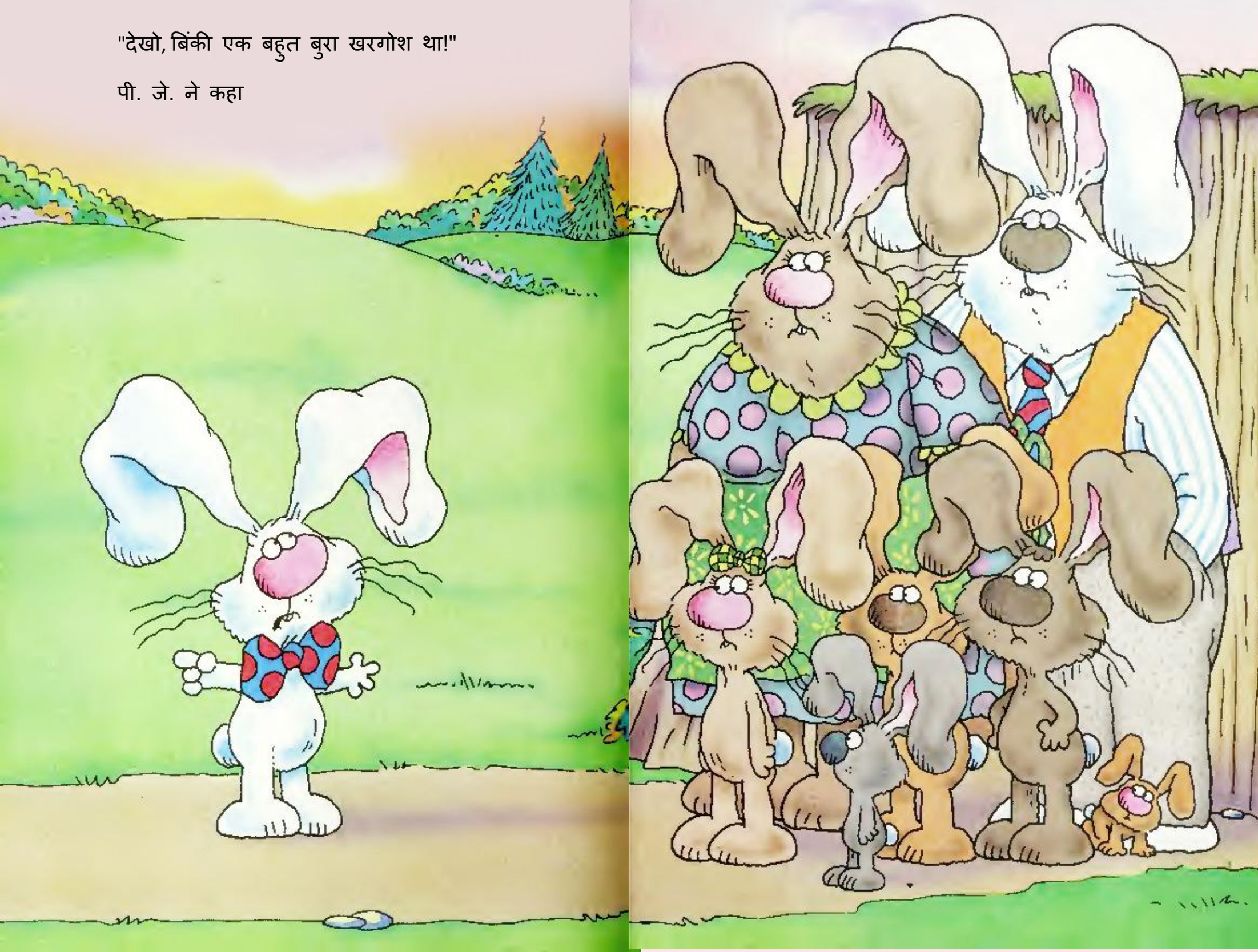

अब सभी फनीबन्नी उसकी इस बात से सहमत थे.

समाप्त